APRATAP MULICK

थोडांगा की मौत
लेखक • राजा
कलानिर्देशन • प्रताप मुलीक
संपादन • मनीष गुप्ता
चित्र • चंदू व कौंडके
नागराज! तेरे जिस्म का विष जंगल के इस बेताज बादशाह थोडांगा की ज़िंदगी बचा सकता है। चल! उगल दे अपना सारा ज़हर मुझ पर! हा हा हा हा
थोडांगा! तुझे ज़िंदगी नहीं, मौत देगा नागराज!
मौत के 'पर' कुतर रखे हैं थोडांगा ने। कैसे पहुंचेगी वो मुझ तक नाग-राज! हा हा हा।
... मौत तो तेरी तुझे खींच लाई है यहां!
उग!

नागराज ने छोड़ी घातक विष-फुंकार!
आ हा हा हा! नागराज! फूंक! फूंक मुझ पर अपने जिस्म का जहर। यही तो मुझे चाहिए।
थोडांगा! पिछली बार तू मेरे हाथों से बच निकला था! पर इस बार नागराज इस जंगल को तेरे आतंक से मुक्त करवा कर ही लौटेगा!
थोडांगा ने जकड़ लिया नागराज को—
नागराज! तुझे मारकर तेरा विष चूस लूंगा!
पागल सांड की तरह डकारते हुए थोडांगा ने अपने नुकीले सींगों को पेवस्त कर दिया नागराज के सीने में—
हा हा हा! खत्म हो गया नागराज! अब विश्व के अपराध जगत में थोडांगा का ही नाम चलेगा! अण्डर-वर्ल्ड की बागडोर होगी केवल थोडांगा के हाथ में! हा हा हा हा हा!
और इसी के साथ गूंज उठी नागिनों की गड़गड़ाहट—
amaan.cooldude18

तालियों की गड़गड़ाहट के साथ ही गिर चुका था उस 'पपेट-शो' का पर्दा –
हा हा हा! ऐसी ही भयानक मौत देगा थोडांगा नागराज को!
यानि यह सब कठपुतली का खेल था।
तभी–
ओह, डॉक्टर विषाणु!
हैलो थोडांगा! खतरनाक विष द्वारा तैयार दवा का इंजेक्शन। आपकी प्रत्येक माह की आवश्यकता!
डॉक्टर विषाणु ने थोडांगा की बांह में लगाया वह विशेष इंजेक्शन।
डॉक्टर-विषाणु! आपने कहा था कि, मेरे शरीर पर निकल आये इस कोढ़ का इलाज केवल तीक्ष्ण जहर है...
...जो दुनिया के सर्वाधिक खतरनाक जहर पोटेशियम-साइनाइड से भी अधिक जहरीला हो!
कहां और कब मिलेगा यह विष मुझे?
आपके लिए मैं शीघ्र ही तैयार करूंगा ऐसा विष जो आपको एक नई जिंदगी दे सके सम्राट थोडांगा!
?

तभी—
सम्राट थोडांगा! माल थैलियों में भर दिया गया है अब क्या आदेश है?
सारा माल डॉक्टर विषाणु को डिलीवर कर दो।
जो आज्ञा सम्राट थोडांगा!
कुछ देर बाद डॉक्टर विषाणु सम्राट थोडांगा से विदा ले रहा था।
हमेशा की तरह मैं एक माह बाद फिर आऊंगा थोडांगा! तुम्हें विष द्वारा तैयार असली 'डोज' देने...
...और माल की असली 'खेप' लेने!
तुम्हारी बदौलत जोरदार चलेगा ये धन्धा!
धन्धे के साथ ही तुम्हें मेरे लिए भयानक विष की भी खोज रखनी है डॉक्टर विषाणु!
डॉक्टर विषाणु माल लेकर चल पड़ा—
थोडांगा के माल से विश्वभर में हंगामा मचा दूंगा!
कब मिलेगी मुझे इस बीमारी से मुक्ति!
क्या था माल?

भारत! महानगर बम्बई!
जहां एकाएक फैल गई एक रहस्यमय बीमारी!
उफ! एक ही रात में इस खतरनाक रहस्यमय बीमारी ने महानगर के पचास व्यक्तियों के प्राण 'हर' लिए।
HOSPITAL
सैकड़ों पीड़ितों की कतारें लग रही हैं अस्पताल में। कहां से आ गई ये बीमारी? शीघ्र ही पता लगाना होगा हमें।
युद्ध स्तर पर खोज की गई उस अज्ञात रहस्यमय बीमारी के स्रोत की।
शीघ्र ही परिणाम भी निकला-
पता लगा लिया गया है सर! बीमारी का स्रोत इस बाक्स में बंद है।
स्टिल प्रोजेक्टर में लगा दी गई वह स्लाइड-
यह एक विशेष प्रकार का हलू-मच्छर है सर! जिसके काटने से होती है वह रहस्यमय बीमारी, जिसका नाम हमने रखा है "हलू-हलू!"
अगले दिन बच्चे-बच्चे की जुबान पर था "हलू-हलू"!
शहर में एक सनसनी... इन मच्छरों के प्रकोप से फैली बीमारी हलू-हलू!
MULICK STUDIO

उस रात "और" पचास मारे गए इलू-इलू के घातक प्रभाव से—
उफ! महामारी की तरह फैल रही है ये बीमारी शहर में!
प्रशासन की भी नींद उड़ गई—
इलू मच्छरों की तादाद को कण्ट्रोल नहीं कर सकते तो एण्टी इलू-इलू दवा तैयार करो!
स्वास्थ्य मंत्रालय
...कोई रास्ता तो होगा इस महामारी पर काबू पाने का!
मंत्री जी! इस समय सभी स्वास्थ्य विभाग सिर्फ और सिर्फ एण्टी इलू-इलू दवा की ही खोज में लगे हैं। उम्मीद है कि शीघ्र ही कण्ट्रोल होगी ये महामारी!
उम्मीद पर ही दुनिया कायम है।
पूरे बम्बई और उसके आसपास के क्षेत्रों में इलू मच्छरों को खत्म करने के प्रयास जोरों पर थे—
डी.डी.टी. व अन्य मच्छर मार दवाओं से आज तक साधारण मच्छर न मर सके तो इलूओं पर इनका क्या प्रभाव होगा!
बड़ी-बड़ी "मैट" कम्पनियों के "मैट" भी काम न आए इलूओं को खत्म करने में—
ओह! यही है इलू मच्छर! पर मैट का इन पर कोई असर नहीं!
और फिर बम्बई से भी आगे बढ़ गई महामारी!
पूना..., बीजा, ?...
महामारी तेजी से फैलती चली जा रही है! अगर यही हालत रही तो पूरे भारत में फैल जायेगी ये महामारी इलू-इलू!

इधर नागराज उपस्थित था डॉक्टर विषाणु के साथ उसकी प्रयोगशाला में—
देखा नागराज! केवल उसी जार में बन्द "इलू मच्छर" नष्ट हो गए, जिसमें मैंने अपनी कम्पनी के 'गेट आउट मैट' का धुआं छोड़ा।
किन्तु अन्य मैट कम्पनियां भी यह झूठा प्रचार करने में कतई पीछे नहीं हैं कि उन्हीं की बनाई मैट से भी इलू मच्छर नष्ट हो सकते हैं।
नागराज! मैं चाहता हूं कि "गेट आउट मैट" की विश्वसनीयता की गारण्टी के लिए तुम खुद मेरी बनाई मैट का प्रचार करो ताकि सही चीज सही समय पर लोगों तक पहुंचे।
ठीक है डॉक्टर विषाणु! मैं तुम्हारे गेट आउट मैट का प्रचार करने के लिए तैयार हूं...
किंतु इस प्रचार की एवज में मुझे क्या लाभ होगा?
मैं निर्धन बस्तियों में मैट "फ्री" वितरित करूंगा। शायद इससे बड़ा लाभ मानवता के रक्षक को मैं न दे सकूंगा।

अगले दिन दूरदर्शन पर दिखाई पड़ा नागराज!
अरे, नागराज! नागराज टी.वी. पर।
... इलू मच्छर भगाओ! गेट-आउट मैट घर में लाओ! टैन टेनेन!
इलू मच्छरों की मौत, गेट आउट मैट! मैं नागराज इस मैट की विश्वसनीयता की गारण्टी देता हूं!
नागराज की गारण्टी!
गेट-आउट मैट से अपने घरों के इलू मच्छरों को गेट आउट करो!
नागराज
धूम मच गई गेट आउट मैट की—
SHOP
गेट आउट! चार डिब्बे!
पूरा बाक्स ही दे दो मुझे! घर के कोने-कोने में छिपे मच्छर मार भगाऊंगा!
गेट आउट मैट! एक डिब्बा!
सचमुच चमत्कारी असर था उन मैट्स का—
एक टिकिया के धुएं से ही इलू मच्छरों के ढेर लग गए फर्श पर!
कमाल का असर है गेट आउट मैट का!
यह कमाल है सुपर हीरो नागराज का, जिसने सही चीज का सही समय पर प्रचार किया! टैन टैन टणाण!
आश्चर्यजनक रूप से इलू-इलू नामक बीमारी से पीड़ित लोगों की संख्या में कमी हुई!

उधर डॉक्टर विषाणु—
हा हा हा! एक ही दिन में करोड़ों का ऑर्डर अकेले महाराष्ट्र से!
मचा दूंगा! मचा दूंगा! तहलका मचा दूंगा पूरे भारत में!
Dr. VISHANU
गुप्त द्वार से कहां आ रहा था डॉक्टर विषाणु—
भारत के कोने-कोने में उड़ाऊंगा इल्लु!
प्रयोगशाला के ठीक नीचे स्थित था वह तहखाना!
सम्राट थोडांगा के अंडाणों की ये सेना मेरे लिए नोट पर नोट छापेगी! और बदले में मुझे थोडांगा को देनी है केवल तीक्ष्ण जहर से निर्मित दवा!
न जाने क्या किया डॉक्टर विषाणु ने कि जार में दबाव बढ़ते ही मच्छर उस थैली में भरने लगे-
अब डॉक्टर विषाणु तुम्हें स्वतंत्र करेगा! ताकि बस्तियों में जाकर तुम अपना आतंक फैला सको..
न जाने कैसे थैली से निकल भागे वे मवाली मच्छर और झपटे डॉक्टर विषाणु पर—
अरेरेरे! यह क्या दुष्टो! अपनी मौत बुला ली तुमने कैद से छूटकर!
डॉक्टर विषाणु ने एण्टी इल्लु स्प्रे का वार किया शैतान इल्लुओं पर-
देखा! इस दवा का चमत्कार! मर गये ना सभी!

गूंज उठा एक और स्वर वहां।
लेकिन वह दवा कहां से लायेगा डॉक्टर विषाणु जो नागराज से तुझे बचा सके।
सिटपटा कांप गए डॉक्टर विषाणु नागराज को देखकर —
न... नागराज, तुम ?
सैकड़ों निर्दोष लोगों की जिंदगियों से खेलने वाले शैतान ! नागराज समाज को अब तेरी असली सूरत दिखाकर रहेगा।
शीघ्र ही संभल गया डॉक्टर विषाणु और —
इल्लू ऽऽ इल्लू
इल्लू ऽऽ इल्लू
नागराज! जहरीले इल्लू मच्छरों के दंश से तू नहीं बच सकेगा। हा हा हा!
प्रचार के लिए एण्टी इल्लू स्प्रे की एक बोतल उन्होंने मुझे भी दे रखी है। डॉक्टर विषाणु। भूल गया!
नागराज। मेरा रहस्य जानने के बाद अगर तू जीवित बच गया तो मेरी जिन्दगी नरक बन जायेगी। तेरी मौत मेरे सुन्दर भविष्य के लिए आवश्यक है।
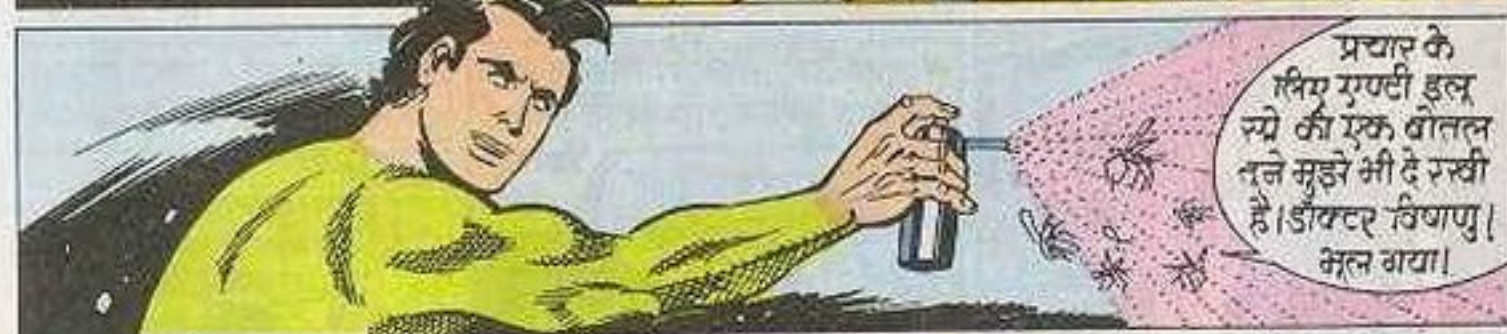
डॉक्टर विषाणु ने खतरनाक कोबराओं के जहर का फायर किया उस विषबान से —
ये कई खतरनाक कोबराओं का जहर है नागराज जिसे सूंघ लेने मात्र से ही इन्सान भयानक मौत मर जाता है।
ओह!
उस भयंकर विष से बचने के लिए विषाणु ने मुंह पर फेस मास्क चढ़ा लिया था।
मुस्कराया था यह सुनकर नागराज।
डॉक्टर विषाणु तुमने मात्र विष का प्रयोग किया है। मैं तुझे दिखाता हूं असली कोबरा।
कैसा लग रहा है ये दृश्य डॉक्टर विषाणु?
सांप कहां रखता है ये नागराज? उफ!
सांप से क्या डर जाता वह विषाणु, जिसने सैंकड़ों बार सांप पकड़कर विष विज्ञान पर खोजें कीं—
कोबरा से मुझे न डरा पायेगा तू!
अम्लराज की बोतलों से भरी वह क्रैरेट अपनी ओर खींच ली विषाणु ने —
अम्लराज से भरी ये बोतलें तेरे मांस को तेरी हड्डियों से जुदा कर देंगी नागराज!

बम की तरह फटी वह एसिड बोतल!
सरसराकर अपनी ओर आती दूसरी बोतल को नागराज ने इस प्रकार रोका—
तीसरी बोतल पर दे मारी नागराज ने अपने सर्प-सैनिक द्वारा कब्जाई गई बोतल।
डॉक्टर विषाणु ने अब उठा लिया पूरा ही कैरेट—
बचा कितने बार बचाएगा मेरे नागराज! डॉक्टर विषाणु तुझे अब जीवित नहीं छोड़ेगा।
नागराज ने छोड़ी नागरस्सी।
नागराज की ज़िन्दगी यूं आसानी से नहीं ले सकता तू।
नागरस्सी ने कैरेट छीन लिया विषाणु के हाथ से।

अपनी बेबसी पर नागराज की वह हंसी बर्दाश्त नहीं कर सका डॉक्टर विषाणु। और—
उफ!
नागराज! तुझे खत्म करने के और भी कई तरीके हैं मेरे पास।

संभलना नागराज!
ओह! यह तो प्रयोगशाला से निकल भागा!
चेहरे पर से मास्क नोंच फेंका था उसने

किंतु भागा नहीं था डॉक्टर विषाणु! मौत के कई तरीकों में से एक का प्रयोग करने निकला था वह बाहर —
निकलो!
गुर्र र्र र्र०००

खूंखार कुत्तों की पूरी फौज पाल रखी थी उसने—
हजारों रुपये तुम पर मैं ऐसे नहीं बर्बाद कर रहा। तुम भी निकलो!
गुर्र र्र०००
तुम सब भी निकलो! किसी इंसान की बोटियां नहीं चखी होंगी तुमने कभी। आज चखना।

अपनी बेबसी पर नागराज की वह हंसी बर्दाश्त नहीं कर सका डॉक्टर विषाणु। और—
उफ़!
नागराज! तुझे खत्म करने के और भी कई तरीके हैं मेरे पास।

संभला नागराज!
ओह! यह तो प्रयोगशाला से निकल भागा!
चेहरे पर से मास्क नोच फेंका था उसने

किंतु भागा नहीं था डॉक्टर विषाणु! मौत के कई तरीकों में से एक का प्रयोग करने निकला था वह बाहर—
निकलो!
गर्र र्र र्र...

खूंख्वार कुत्तों की पूरी फौज पाल रखी थी उसने—
हजारों रुपये तुम पर मैं ऐसे नहीं बर्बाद कर रहा! तुम भी निकलो!
गर्र र्र...
तुम सब भी निकलो! किसी इंसान की बोटियां नहीं चखी होंगी तुमने कभी! आज चखना!

नागराज ने भी देख लिया अपनी ओर बढ़ती उस खूंखार सेना को—
ओह! डॉक्टर विषाणु ने तो विश्व की चुनिंदा नस्लों के खौफनाक कुत्तों की पूरी सेना ही पाल रखी है।
गर्र ईई
भाऊ ऽऽ भाऊ ऽऽ
कुत्तों की गुर्राहटों और भौंकारों से भर उठा कक्ष।
चीते की सी फुर्ती के साथ उछले वे दो, नागराज की बोटी उधेड़ने—
उफ़
डॉक्टर विषाणु ने ऐसा हैरत-अंगेज दृश्य अपने जीवन में निश्चित रूप से कभी नहीं देखा था—
ओह नो! नागराज के जिस्म पर दांत गड़ाते ही वे गिरे और मोम की तरह पिघल गये।
अपनी मौत पर दांत मार बैठे थे, वे फुर्तीले।
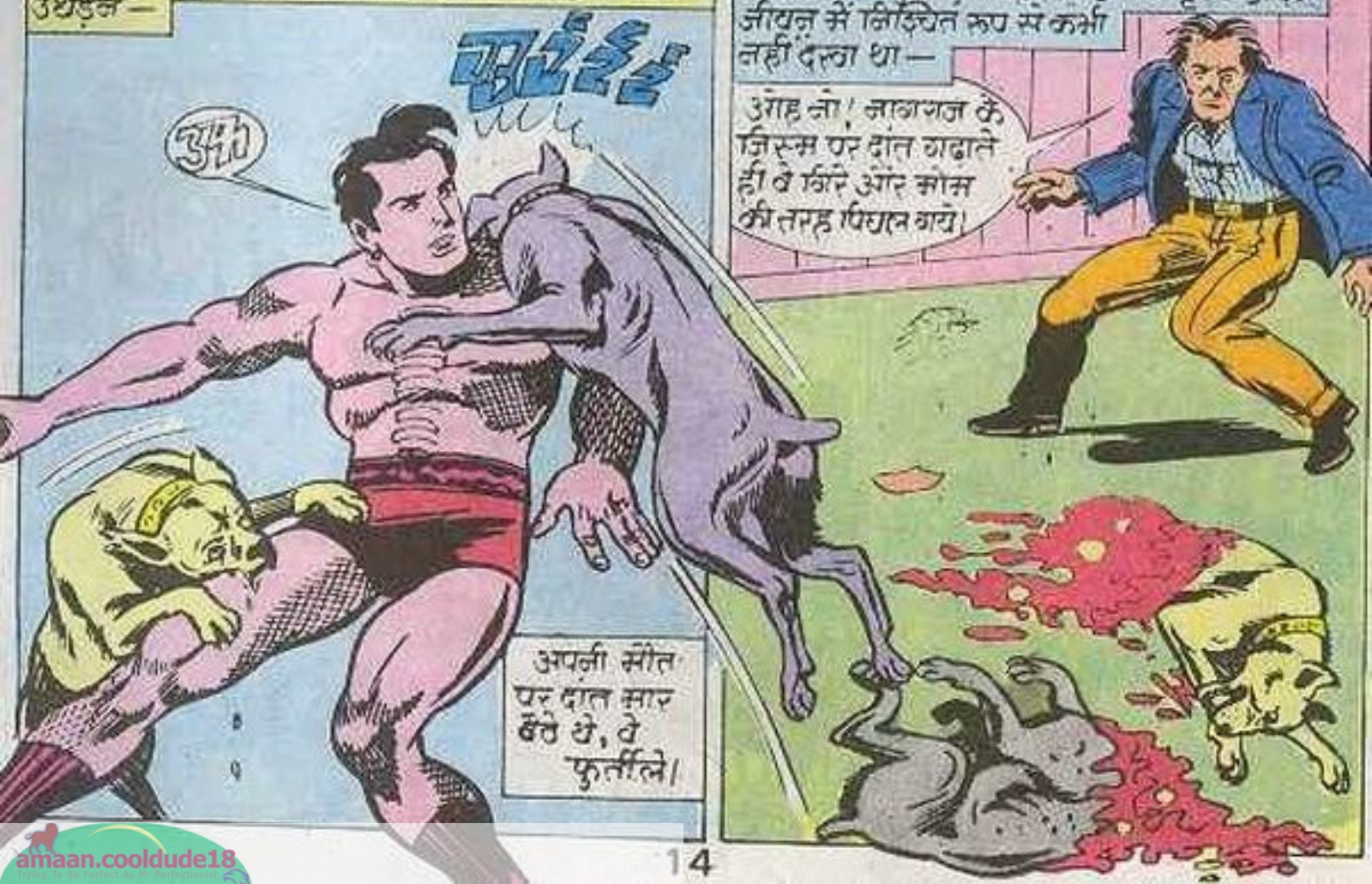
नागराज की कलाई से छूट निकले सांप—
नागराज ने उखाड़ ली पौधों की रक्षा के लिए लगी वह बाड़—
FACTORY
और—
नागराज की ठोकर खाकर फिर भला कैसे उठ पाता वह—
भयानक कुत्तों से शीघ्र ही पीछा छुड़ा लिया नागराज ने तब—
तुम्हारी जिंदगी के लिए किया है मैंने तुम पर यह वार, ताकि तुम्हारे दांत मेरे जिस्म से जरा दूर ही रहें।
अरे! यह विषाणु कहां चला?
FACTORY
Get Out

डॉक्टर विषाणु के पीछे-पीछे ही भीतर चला आया नागराज भी—
कहां गया डॉक्टर विषाणु?
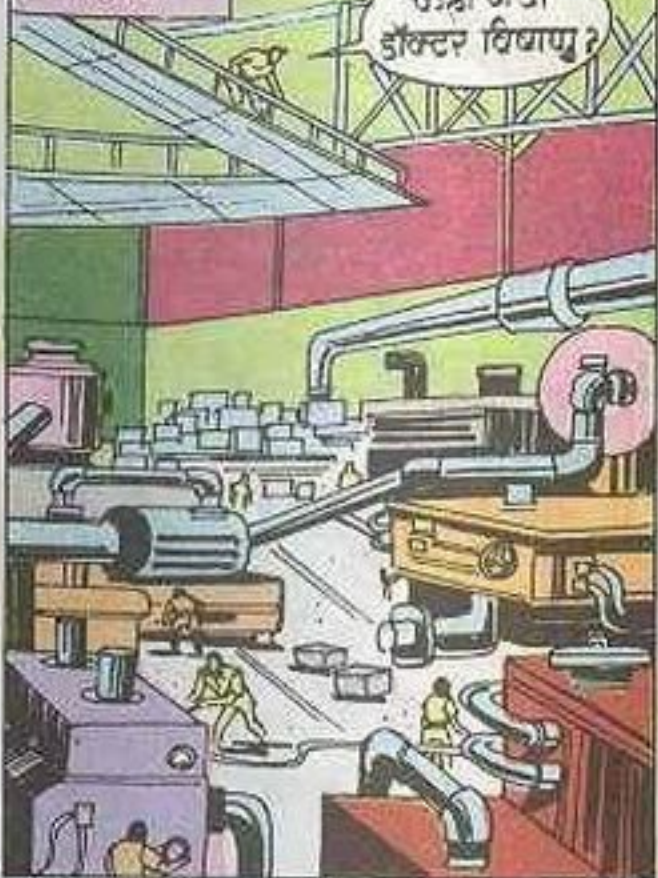
इसी पल जैसे विद्युत सी कौंधी, और कस गया वह पंजा नागराज पर—
उफ! धोखा!

लोहे के उस पंजे ने नागराज को ये कहां ला पटका—

सफलता की अद्भुत चमक थी डॉक्टर विषाणु की आंखों में—
हा हा हा! इस कैमिकल से होकर बड़े-बड़े कार्टन में पैक होकर निकलते हैं वेट आउट सैट्स। और नागराज अब इसमें से पैक होकर निकलेगा ये खुद। हा हा हा!

कई विभिन्न रसायनों से होकर गुजरता...

...नागराज बेहोश हो चुका था।

...पॉलीथिन में पैक होकर वह बाहर आकर गिरा।

ऐसा तीक्ष्ण जहर आज तक मेरी निगाहों से नहीं गुजरा! निःसंदेह, थोडांगा के काम का है नागराज का जहर।
तुझे थोडांगा के पास ले जाऊंगा नागराज। फिर थोडांगा के पंजे से तुझे मौत ही निकाल पायेगी। हा हा हा।
तूफान सा आ गया उस विशाल बाथटब में, जो जरा सा हिला थोडांगा—
क्या? डॉक्टर विषाणु इस बार एक सप्ताह पहले कैसे आ गया?
डॉक्टर विषाणु के आदेश पर ले आया गया वह नायाब तोहफा थोडांगा के समक्ष—
क्या तोहफा लाया है डॉक्टर विषाणु मेरे लिए।
आपके लिए एक ऐसा नायाब तोहफा लेकर आया हूं थोडांगा, जिसे देखकर खुशी व रोमांच से आपके रोंगटे खड़े हो जायेंगे।
अच्छा! अगर यह वस्तु वाकई नायाब हुई तो थोडांगा शहंशाह बना देगा तुम्हें डॉक्टर विषाणु!
सचमुच उछलकर टब से बाहर आ गया थोडांगा—
नागराज! ये तो नागराज है!
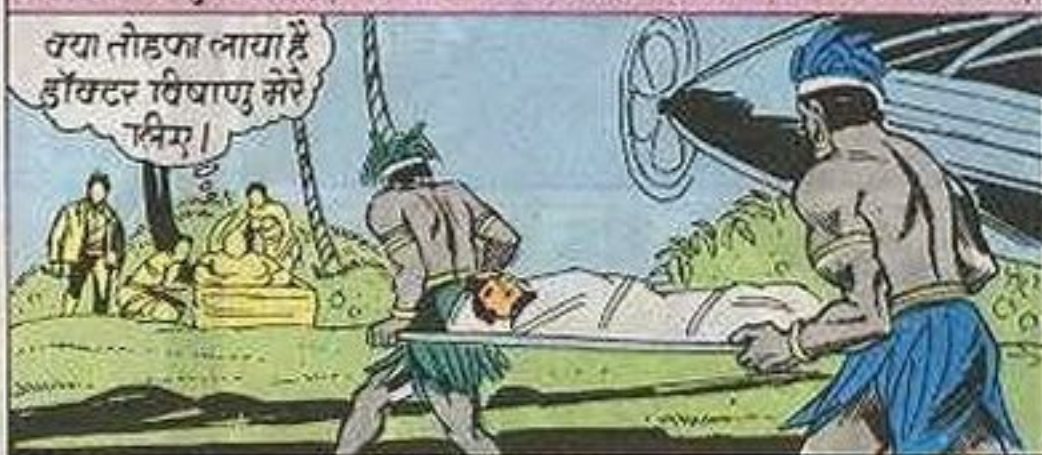
राज कॉमिक्स
मैंने जो तोहफा आपको दिया है, वह नागराज नहीं, वह है इस नागमानव नागराज का अत्यंत खतरनाक विष.... जो आपकी बीमारी को एकदम अच्छा कर देगा।
जहर भी और इस धरती पर थोडांगा का सबसे बड़ा दुश्मन नागराज भी। वाह! ये तो टू-इन-वन बात हो गई थोडांगा के साथ।
थोडांगा के आदेश पर नागराज को ले गए थोडांगा के सेवक—
डॉक्टर विषाणु! अब थोडांगा खेलेगा नागराज की मौत का भयानक खेल, फिर तुम्हें नागराज की लाश सौंपेगा थोडांगा। तुम थोडांगा के मेहमान हो डॉ. विषाणु!
आपकी बहुत कृपा है मुझ पर थोडांगा! आपका कहा कैसे टाल सकता हूं।
मौत का भयानक खेल खेलने के लिए तैयार हो गया थोडांगा—
थोडांगा खुद होश में लायेगा नागराज को...
amaan.cooldude18

...लाखों पिस्सू मच्छरों की लारग्रंथि से एकत्रित की गई लार की तीव्र गंध से!
आश्चर्यजनक प्रभाव हुआ उस लार का—
थोडांगा!
बन्दा शत-प्रतिशत थोडांगा ही है नागराज!
ओह! डॉक्टर विषाणु! तो तुम मुझे लेकर यहाँ आए हो!
अगर महान् थोडांगा को तुम्हारी जरूरत न होती तो शायद इस समय अपराध जगत में तुम्हारी मौत पर दीवाली मनाई जा रही होती नागराज!
अपराध जगत में दीवाली तो अब भी मनाई जायेगी डॉक्टर विषाणु!
नागराज! पिछली बार मिस किलर मुझे अपने साथ गायब करके ले गई थी, अन्यथा थोडांगा उसी दिन तुम्हारा खेल खत्म कर देता..... समझो कि यह खेल अब फिर वहीं से शुरू हो रहा है!
थोडांगा और डॉक्टर विषाणु अपने स्थान से पीछे हट गए—
ओह! तो मौत मेरे सिर पर लटक रही है.. उस चट्टान के रूप में!

थोडांगा! इसकी मौत के बाद तेरी गेट आउट मेट्स का प्रचार अब शानदार नहीं रह जायेगा।
थोडांगा के जंगलों के इलू मच्छरों का प्रकोप तो शानदार होगा न डॉक्टर विषाणु! नागराज तेरी कोई अन्तिम इच्छा हो तो मुझे बता। वरना लोग कहेंगे कि थोडांगा ने नागराज की अन्तिम इच्छा भी पूर्ण न की।
ओह! तो यहां से प्राप्त होते हैं डॉक्टर विषाणु को वे जहरीले मच्छर इलू!
थोडांगा! अपनी अन्तिम इच्छा सोच लियो। जब मेरी बारी आयेगी तो कहीं ऐसा न हो कि तू अवसर चूक जाये और लोग कहें कि नागराज ने थोडांगा की अन्तिम इच्छा भी पूर्ण ना की।
हा हा हा! नागराज! रस्सी जल गई पर बल नहीं गए।
कसो रे रस्सी को ढीला ताकि इसके बल भी निकल जायें चट्टान के नीचे पिसकर।
ये तो सचमुच मेरे कस-बल निकलवाने पर तुला है।
थोडांगा ने कोई अवसर न दिया नागराज को —
रस्सी कटते ही नागराज को अपनी मौत नजर आ गई —

नागराज के बदन से सरसराई वह आंधी सी—
ड्ड
खुद नागराज भी दंग हो उठा—
सौडांगी!
नागराज! सौडांगी के रहते तुम पर आंच भी न आ पायेगी।
वाह सौडांगी! तुम्हारी शक्ति बेजोड़ है।
नागराज! जल्दी करो। इस कैद से खुद को स्वतंत्र करो।
अपनी सम्पूर्ण शक्ति जुटा ली नागराज ने। और—
जय बाबा गोरखनाथ!
थोडांगा अभी भी मुस्करा रहा था—
आप मुस्करा रहे हैं ग्रेट थोडांगा? जबकि नागराज...
डॉक्टर! तू नहीं समझेगा कि नागराज चीज क्या है? इतनी सस्ती 'मौत' उसे मार दे फिर उसे नागराज कौन कहे।

नागराज थोडांगा के सामने आ पहुंचा—
क्यों थोडांगा! अपनी अंतिम इच्छा सोच ली है तो बता दे मुझे!
परिस्थिति के अनुसार तो इस समय हम दोनों की अंतिम इच्छाएं एक-दूसरे की मौत ही हो सकती है।
पहला वार करके, तूने जंग का ऐलान कर दिया है थोडांगा। जंग के लिए मैं भी तैयार हूं। यह रहा तेरे वार का प्रत्युत्तर।
तब—
नागराज! वह देख। गोली... गोला... बारूद... विष बुझे खंजर... बंदूकें स्टेनगनें... ए.के. 47... सब मंगा लिया है मैंने।
थोडांगा तो केवल हिलकर रह गया और विषाप्पू कई फुट दूर तक लुढ़कता चला गया—
ताकि जंग का मजा आ जाए। तुझे जिस चीज की जरूरत हो, उठा लियो।
थोडांगा! इन सबकी जरूरत तो तुझे पड़ेगी। मैं तो खुद एक शस्त्र हूं।
तब फिर सम्भाल मेरा वार। मैं आया नागराज!
नागराज के स्थान पर थोडांगा की टक्कर पड़ी उस वृक्ष पर, बेचारा "चूं-चूं" करता ढह गया।
नागराज तक पहुंचते-पहुंचते उसका सिर कछुवे के समान अपनी गर्दन में समा गया—
इसकी टक्कर किसी का भी पेट फाड़ सकती है।
amaan.cooldude18

अति बलशाली थोडांगा ने उसकी जड़ में हाथ डालकर पूरा पेड़ ही उछाल दिया नागराज पर —

आज यहां हमारे बीच हुआ युद्ध निर्णायक होगा नागराज!

नागराज ने भी अद्भुत ढंग से किया उस संकट का सामना —

बच नागराज! युद्ध में वार बचाना ही तो श्रेष्ठ कला है।

इधर नागराज के वार से तिलमिलाया डॉक्टर विषाणु झपटा मौत के उस ढेर पर —

अब तू थोडांगा के हाथों नहीं मरेगा नागराज! मेरे हाथों मरेगा!

सपासप कई खंजर व बम फेंक मारे डॉक्टर विषाणु ने —

नागराज! तुझे मरना होगा!

नागराज जानता था कि ऐसी विकट परिस्थितियों में उसे क्या करना है? उसने किया!

नागराज के हजार हाथ हैं डॉक्टर विषाणु!

सर्प सैनिकों ने बम वर्षा कर दी थोडांगा के सेवकों पर —

धड़ाम

भयानक ठां-ठां करता चला गया डॉक्टर विषाणु, जब झपट पड़े उस पर क्रोधित सर्प—
ले! इन सांपों के चिथड़े उड़ा दूंगा मैं नागराज!
लहराते आते सांपों पर निशाना भी नहीं जम पाया।
गोली वर्षा से भी न रुके सांप तो घबरा गया डॉक्टर विषाणु—
नहीं— नहीं!
सिर पर लटकती मौत को भी भूल गया कमबख्त!
थोडांगा! मुझे बचाओ!
वृक्ष पर लटकी सौडांगी इसी पल की ही तो प्रतीक्षा में थी।
नागराज की मौत तैयार करने वालों को ही मिलेगी ये भयानक मौत।
पोदीने की चटनी से भी बारीक पिस गया डॉक्टर विषाणु।
अगले ही पल भयानक विस्फोटों से उड़ गई वह चट्टान भी—
यह करामात थी उन बमों की जो विषाणु की जेबों में भरे थे।
खून के छींटे भिगोते चले गए थे थोडांगा को भी—
डॉक्टर विषाणु! तूने ज्यादा बहादुरी क्यों दिखाई??
सौडांगी वापस समा गई नागराज के जिस्म में।
amaan.cooldude18

नागराज! डॉक्टर विषाणु की मौत का मुझे बड़ा सदमा लगा है। उसकी आत्मा की शांति के लिए अब मैं तेरे शरीर के छोटे-छोटे टुकड़े करूंगा।

कटता चला गया वह वृक्ष

ओह! जंगल का जंगल काट सकती है यह मशीन इससे कैसे बच पाऊंगा मैं।

चर्र्र....

बहुत तेजी के साथ घूम जाती थी वह मशीन नागराज की दिशा की ओर—

इस आरे के मुझसे छू जाने का अर्थ होगा सचमुच मेरे जिस्म के टुकड़े।

शीघ्र ही थम गए नागराज के कदम—

ओह! थोडांगा तेजी से बढ़ा आ रहा है और मेरे आगे बढ़ने का मार्ग अवरुद्ध है।

बेहद तेजी के साथ गिरा नागराज उस खाई में—

उफ

थोडांगा उतरकर आया आरा मशीन से—

कहां गया ये नागराज! कितने टुकड़े हुए होंगे उसके।

विद्युत सी चमकी —
आऊ
तेरा यह अरमान कभी पूरा न होगा थोडांगा!
असावधान थोडांगा पीछे जाकर गिरा-
आह
फिर जब उठा तो —
नागराज! ये मेरा इलाका है! तेरा पूरा बंदोबस्त कर रखा है मैंने!
थोडांगा ने घुमा दी वह अनोखी गदा-
स्वूऽऽऽ
उफ़
ढेम्म्म्म
जमीन में गहरे गड्ढे पड़ रहे थे, वहां, जहां टकरा रही थी थोडांगा की अनोखी गदा।
इस बार फुर्ती के साथ न केवल बचा ही नागराज, बल्कि —
झटाक

नागराज के शक्तिशाली प्रहार से गदा थोडांगा के हाथों से छूट गई। और-

थोडांगा! तुम जैसे शैतानों को मैं उनके इलाके में ही घुसकर मारता हूं। समझा!

भरपूर शक्ति लगा दी नागराज ने थोडांगा को गिराने के लिए —

तेरी शक्ति का राज तेरे ये सींग ही लगते हैं।

पसीने-पसीने तो हो गया नागराज, किंतु प्रयास सफल हुआ उसका —

नागराज! ये फाउल है! मुझे नीचे मत फेंकियो!

थोडांगा, ये तुझे नीचे फेंकने की नहीं, ऊपर पहुंचाने की तैयारी है मेरी!

नागराज ने उछाल फेंका जंगल के बेताज बादशाह, अतिबलशाली थोडांगा को भूमि पर—
थोडांगा! अब तेरे ये सींग ही तेरा दुर्भाग्य बन जायेंगे।
आह्ह
नागराज ने बैक गियर में डाल दिया उस आरा मशीन को और—
घर्रर्र

नागराज को अपनी ओर बढ़ता देख भय से सिहर उठा थोडांगा—
ये वृक्ष तो वाकई विनाशक साबित हो रहा है। उफ! अरे मैन किलर! कहां हो तुम? मुझे ट्रांसमीट कर लो अपने पास।
अपनी हर कोशिश करके थक गया थोडांगा —
उफ! बहुत बुरा फंस गया मैं तो। अरे कल्परुन सींगों, बाहर निकल आओ। नागराज आ जायेगा।
नागराज के रूप में मौत आ गई थी अब उसकी—
नहीं, मत काट नागराज! मुझे मत काट।
तुझे नहीं थोडांगा, तेरे रूप में फैली अपराध की जड़ों को काट रहा हूं, जो समाज को दूषित कर रही है।
गूंज उठा समस्त जंगल थोडांगा की भयानक चीखों से। जैसे जलजला सा आ गया था वहां—
थोडांगा अब बदल चुका था दो टुकड़ों में—

राज कामिक्स के प्रिय पाठको :-
प्रस्तुत चित्र कथा कैसी लगी, इस बारे में अपनी राय निम्न पते पर अवश्य भेजें।
संजय गुप्ता, 1603 - दरीबा कलां, दिल्ली - 110006